डेली न्यूज़
जयपुर, बुधवार, 5 मई, 2010
विक्रम संवत् 2067, वैशाख कृष्ण सप्तमी

# वरदान बनी 'आपणो स्वास्थ्य, आपणे हाथ'

## बदला वंचित वर्गों का व्यवहार, अन्य स्थानों पर भी लागू की जाएगी योजना

जयपुर। 'आपणो स्वास्थ्य, आपणे हाथ' कार्यक्रम से गरीब व वंचित वर्ग के लोगों के व्यवहार में बदलाव आया है और यह वरदान से कम नहीं है। बाल अधिकारों के लिए कार्यरत अंतरराष्ट्रीय संस्था 'सेव द चिल्ड्रन' के अध्यक्ष हरपाल सिंह और सीईओ थामस चेंडी ने यह मानते हुए इस परियोजना को दूसरी जगहों पर भी लागू करने पर सहमति जताई है।

बांसवाड़ा में 'वागधारा' स्वयंसेवी संस्था के सहयोग से संचालित परियोजना की प्रत्यक्ष जानकारी लेने के लिए वे उदयपुर से 175 किलोमीटर दूर जनजातीय गांव गरनावट व हिम्मतसिंह पहुंचे और भीषण गर्मी के बीच पूरा दिन ग्रामीणों से रूबरू हुए। ग्रामीणों ने ढोल, नगाड़ों व मालाओं से उनका स्वागत किया। फोर्टिस हेल्थ केयर दिल्ली के भी अध्यक्ष हरपाल सिंह ने ग्रामीणों से स्वास्थ्य सुधार के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी प्राप्त की। 'आपणो स्वास्थ्य आपणे हाथ' के कार्यक्रम समन्वयक सुरभि सारस्वत ने पुरुष स्वास्थ्य समिति, महिला स्वास्थ्य समिति व बाल पंचायत के सदस्यों से भी परिचय कराया।

वागधारा के सचिव जयेश जोशी व 'सेव दी चिल्ड्रन' के स्थानीय समन्वयक घासीलाल गुर्जर ने बताया कि गर्भवती, धात्री महिलाओं व 5 वर्ष के कम उम्र के शिशुओं के लिए चल रहे जागरुकता अभियान, आंगनबाड़ी और आशा स्वास्थ्य कार्यकर्ता व जननी सुरक्षा कार्यक्रम से तेजी से बदलाव आया है। सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता तुलसीदेवी ने बताया कि घरों में साफ सफाई व व्यक्तिगत स्वच्छता से जीवन स्तर में सुधार आ रहा है। 'सेव दी चिल्ड्रन' के मुख्य कार्यकारी अधिकारी थामस चेंडी के प्रश्न के उत्तर में बताया गया कि गरनावट गांव में कुल दो कुपोषित बच्चे हैं, 2 गर्भवती महिलाएं व 0 से 6 वर्ष के 34 बच्चे हैं। गांव के सभी लोग संस्थागत प्रसव को महत्ता देने लगे हैं। इस संबंध में स्वास्थ्य संबंधी डाटा कार्ड भी दिखाए गए। टीम ने गांव में शौचालयों व वर्मी कम्पोस्ट खाद के कार्य को बारीकी से देखा।

ग्रामीणों से बातचीत करते 'सेव द चिल्ड्रन' के मुख्य कार्यकारी अधिकारी थामस चेंडी और अध्यक्ष हरपाल सिंह।

HINDUSTAN TIMES, NEW DELHI
WEDNESDAY, MAY 05, 2010



# Neediest districts chosen for relief

**HT Correspondent**
htraj@hindustantimes.com

**JAIPUR:** Braving the heat *Save the Children* chairman Harpal Singh, and Save the Children's Chief Executive Officer, Thomas Chandy, interacted with villagers of the tribal-dominated Banswara district on Monday.

*Save the Children,* an advocacy group working for protection of children's rights, has launched Aapno Swasthya Aapne Haath (Our Health in Our Hands) programme in three districts of Rajasthan for catalysing community structures to improve health and nutrition of children below five years of age.

Through this project started in 2008, *Save the Children* proposes to decrease the newborn and child mortality and child malnutrition by increasing access to quality health services and improving health practices.

The project has targeted three of the neediest districts of Rajasthan, Banswara, Churu and Tonk.

Members of the Men's Health Committee, Women's Health Committee and Baal Panchayat welcomed the guests with beating of drums and garlanding at Garnavat village. Community health worker Tulsi Devi described the progress in sanitary practices in the villages since the project was launched.

Harpal Singh evinced interest in getting information about the use of newly built toilets in houses, maintenance of cleanliness around hand-pumps and the habit for personal hygiene. He was happy to note that awareness had been generated for total immunisation, handwashing, manufacturing vermi compost and developing kitchen gardens in houses.

During the visit to Himmat Singh Ka Gadha village, the two dignitaries visited the Anganwadi centre to interact with workers and beneficiaries and saw child-friendly toilets and new hand-pump installations with ground water recharge system.

While Chandy asked for details of menu of food served at Anganwadi centre, Joshi provided details of utilisation of the project by the villagers and value addition to the community life.

A programme has been launched to improve the health and nutrition of children. HT PHOTO